अनुमति देने का अनुरोध किया है जहां कच्चा-माल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो, और

(घ) यदि हां, तो उनकी मांगों पर यदि कोई निर्णय लिया गया है तो उसका ब्यौरा क्या है तथा यदि कोई निर्णय नहीं लिया गया है तो सरकार उन पर कब तक और क्या निर्णय लेने का विचार रखती है तथा किसी भी राज्य में निवेश, विकास करने तथा उद्योग लगाने के संबंध में मानदण्ड क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) और (ख) संतुलित क्षेत्रीय विकास करना हमारी योजनाओं के मुख्य उद्देश्यों में से एक है । पूर्वी राज्यों सहित राज्यों के विकास के लिए कार्रवाई करने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों की है ।

(ग) और (घ) सरकार को पूर्वी राज्यों से केवल उन राज्यों, जहां कच्चे माल का बाहुल्य है, में उद्योग स्थापित करने के लिए अनुमति देने के लिए कानून बनाने के संबंध में कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है ।

भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) द्वारा रक्षा-उपकरणों के निर्यात में कमी

4974. **श्री मूलचन्द मीणा** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या "भेल" द्वारा दिए जाने वाले रक्षा-उपकरणों के निर्यात में धीरे-धीरे कमी हो रही है;

(ख) यदि हां, तो "भेल" द्वारा वर्ष 1990 में किए गए निर्यात की तुलना में वर्ष 1991 के अंत तक रक्षा-उपकरणों के निर्यात में कितने प्रतिशत की कमी हुई है;

(ग) इसके क्या कारण हैं;

(घ) उन देशों के नाम क्या हैं, जिनको किए जाने वाले हमारे निर्यात में कमी आई है; और

(ङ) सरकार ने "भेल" द्वारा रक्षा-उपकरणों के निर्यात हेतु अंतर्राष्ट्रीय बाजार से संपर्क बनाने के लिए क्या प्रयास किए हैं;

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) भेल ने किसी प्रकार के रक्षा-उपकरणों का निर्यात नहीं किया है ।

(ख) से (ङ) प्रश्न नहीं उठता ।

विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड के पास पड़े प्रस्ताव

4975. **श्री मूलचन्द मीणा** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड का गठन कब हुआ था तथा इसके सदस्यों का ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान बोर्ड द्वारा स्वीकृत किए गये प्रस्तावों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) इन प्रस्तावों में होने वाले कुल निवेश का ब्यौरा क्या है, और

(घ) बोर्ड के पास स्वीकृति हेतु लम्बित पड़ी परियोजना का ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड का गठन 22 अगस्त, 1991 को किया गया था । बोर्ड के सदस्य हैं :—

1. प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव अध्यक्ष
2. वित्त सचिव
3. वाणिज्य सचिव
4. सचिव, औद्योगिक विकास

(ख) इसके शुरू होने के बाद से बोर्ड ने 847 प्रस्ताव स्वीकृत किये हैं । वर्ष-वार ब्यौरा इस प्रकार है :—

वर्ष	स्वीकृत किए गए प्रस्ताओं की सं०
1991	02
1992	199
1993	493
1994 मार्च तक	153

(ग) मार्च, 1994 तक अनुमोदित मामलों में अन्तर्ग्रस्त कुल पूंजी निवेश लगभग 118.00 बिलियन रु. है ।

(घ) बोर्ड द्वारा प्रस्ताव प्राप्त करना और उन पर विचार करना एक सतत् प्रक्रिया है ।

औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े जिले

4976. **श्री मूलचन्द मीणा** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन जिलों की कुल संख्या कितनी है, जिन्हें अब तक औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा जिला घोषित किया गया है, इनका राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) किसी जिला को किस आधार पर औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा घोषित किया जाता है;

(ग) राजस्थान के सवाई माधोपुर दृष्टि से पिछड़ा जिला घोषित न किए जाने के क्या कारण हैं, इसका ब्यौरा क्या है, और

(घ) ऐसे जिलों को, जो औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा जिला घोषित किये जाने के मापदंडों को पूरा करते हैं, कब तक औद्योगिक रूप से पिछड़ा जिला घोषित कर दिया जायेगा ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) राज्यवार औद्योगिक रूप से पिछड़े जिलों के नाम दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न है । (नीचे देखिए) ।

(ख) जिलों को कुछ मानदण्डों जिनमें अन्य मानदण्डों के अलावा प्रति व्यक्ति औद्योगिक उत्पादन, कारखाना रोजगार की सीमा और कुल श्रमिकों में कृषि श्रमिकों का अनुपात शामिल है के आधार पर औद्योगिक रूप से पिछड़ा घोषित किया गया था ।

(ग) और (घ) सवाई माधोपुर को औद्योगिक रूप से पिछड़ा जिला घोषित नहीं किया गया था क्योंकि यह पिछड़ेपन के मानदण्डों को पूरा नहीं करता था ।

विवरण

1. देश में औद्योगिक रूप से पिछड़े जिलों की सूची

आंध्र प्रदेश (14)	– अनन्तपुर, चित्तूर, कुड्डापाह, करीम नगर, खम्माम, कुरनूल, महबूब नगर; मेडक, नालागोंडा, नेलौर, निजामाबाद, अंरोले, श्रीकाकुलम और वारांगल ।
बिहार (18)	– भागलपुर, चंपारण, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, पलामू, पूर्णिया, सहरसा, संथाल, परगना, सारन, नालंदा, औरंगाबाद, नवादा, गया, भोजपुर, बेगसराय, मुंगेर, खगरिया और माधोपुर ।
गुजरात (11)	– अमरेली, बनासकंडा, भावनगर, भड़ौच, जूनागढ़, कच्छ, मेंहसाना, पंचमहल, साँवरकंठा, सुरेन्द्रनगर और डांग ।
हरियाणा (4)	– भिवानी, हिसार, जींद और महेन्द्रगढ़ ।
केरल (7)	– अलेप्पी, कन्नानोर, मालापुरम, त्रिचूर, त्रिवेन्द्रम, वाईनाड और इदक्की ।
कर्नाटक (11)	– बेलगाम, बीदार, बिजापुर, धारवाड़, गुलबर्ग, हसन, मैसूर नार्थ कानार, रायचूर, साउथ कानारा और टुमकूर ।